मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY–007

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.जे.वाई.-007 : संहिता ज्योतिष

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* $3 \times 20 = 60$

1. कूर्मचक्र का सामान्य परिचय देते हुए कृत्तिकादि सत्ताईस नक्षत्रों के वर्ग विभाजन का वर्णन कीजिए।
2. प्राकृतिकोत्पात पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।
3. वृक्षायुर्वेद पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।
4. दृष्टि विवेचन पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

5. दकार्गल से क्या अभिप्राय है ? इस पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

6. प्रमुख संहिताओं एवं संहिताकारों का विस्तृत परिचय दीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* $4 \times 10 = 40$

1. आपदा एवं उनके पूर्वानुमान पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

2. दैवज्ञ के दोषों का वर्णन कीजिए।

3. बुधचार का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

4. चन्द्र के दशविध संस्थानों के लक्षण तथा फल का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. द्वादश राशिगत ग्रस्त चन्द्रार्क का फल कथन कीजिए।

6. समुद्रशोभा का वर्णन कीजिए।

7. विविध नक्षत्रों में केतु के लक्षणों का वर्णन कीजिए।

8. सूर्यादि ग्रहों की दृष्टि और मित्रादि का निरूपण कीजिए।

× × × × ×